४. “उत्साह” और “अट नहीं रही है”

कविता का सारांश

“उत्साह” कविता में कवि बादल को संबोधित करता है और उसे फुहार, रिमझिम या बरसने के बजाय ‘गरजने’ के लिए कहता है। इसका कारण यह है कि कवि बादल में सक्रिय ऊर्जा, क्रांति और नवीन चेतना देखता है। बादल उनके लिए केवल प्राकृतिक तत्व नहीं है, बल्कि यह पीड़ित और प्यासे जन की आकांक्षा को पूरा करने वाला और नव कल्पना तथा क्रांति का संदेश देने वाला प्रतीक है। इसलिए कविता का शीर्षक “उत्साह” रखा गया है, क्योंकि यह जीवन और चेतना में उमंग, जोश और नवीनता का प्रतीक है। कविता में जैसे शब्दों “घेर घेर घोर गगन, धाराधर ओ!” और “विकल विकल, उन्मन थे उन्मन” का प्रयोग नाद-सौंदर्य पैदा करता है और पाठक के मन में उत्साह का भाव जगाता है।

वहीं, “अट नहीं रही है” कविता में कवि फागुन ऋतु की सर्वव्यापक सुंदरता का वर्णन करता है। इस कविता का मुख्य विचार यह है कि कवि का अंतर्मन और प्राकृतिक सौंदर्य आपस में सामंजस्य बिठाते हैं। कवि की आँख फागुन की सुंदरता से हट नहीं रही क्योंकि इस ऋतु में हर जगह जीवन, उल्लास, रंग और आनंद दिखाई देता है। उन्होंने प्रकृति की व्यापकता को फूल, पत्ते, रंग और खुशबू के माध्यम से प्रस्तुत किया है। फागुन अन्य ऋतुओं से इसलिए भिन्न है क्योंकि यह सर्वत्र जीवन और आनंद फैलाती है तथा मन को प्रसन्न करती है।

www.onepointlearning.com

प्रश्न - अभ्यास

उत्साह

1. **कवि बादल से फुहार, रिमझिम या बरसने के स्थान पर 'गरजने' के लिए कहता है, क्यों?**

   उत्तर: कवि बादल में सक्रिय ऊर्जा, क्रांति और नवीन चेतना देखता है। इसलिए वह उसे केवल फुहार या रिमझिम के बजाय गरजने के लिए कहता है।

2. **कविता का शीर्षक उत्साह क्यों रखा गया है?**

   उत्तर: कविता का शीर्षक उत्साह इसलिए रखा गया है क्योंकि कवि क्रांति लाने के लिए लोगों को उत्साहित करना चाहता है। बादलों में भीतरी गति होती है और उसी से वह संसार के ताप को हरता है। कवि भी वैसी ही गति, वैसी ही भावना और शक्ति चाहता है। बादलों का गरजना लोगों के मन में परिवर्तन करने का उत्साह जगाता है।

3. **कविता में बादल किन-किन अर्थों की ओर संकेत करता है?**

   उत्तर: "उत्साह" कविता में बादल निम्नलिखित अर्थों की ओर संकेत करता है –

   - बादल जल बरसाने की शक्ति का प्रतीक है।
   - बादल पीड़ित और प्यासे जन तथा तपती धरती को शीतलता प्रदान करता है।
   - बादल शोषितों के मन में उत्साह भरकर परिवर्तन और नवजीवन लाने के लिए प्रेरित करता है।

4. **शब्दों का ऐसा प्रयोग जिससे कविता के किसी ख़ास भाव या दृश्य में ध्वन्यात्मक प्रभाव पैदा हो, नाद-सौंदर्य कहलाता है। उत्साह कविता में ऐसे कौन-से शब्द हैं जिनमें नाद-सौंदर्य मौजूद है, छाँटकर लिखिए।**

   उत्तर:

   - "घेर घेर घोर गगन, धाराधर ओ!"
   - "ललित ललित, काले घुँघराले, बाल कल्पना के-से पाले"
   - "विद्युत-छबि उर में" कविता की इन पंक्तियों में नाद-सौंदर्य मौजूद है।

रचना और अभिव्यक्ति

5. **जैसे बादल उमड़-घुमड़कर बारिश करते हैं वैसे ही कवि के अंतर्मन में भी भावों के बादल उमड़-घुमड़कर कविता के रूप में अभिव्यक्त होते हैं। ऐसे ही किसी प्राकृतिक सौंदर्य को देखकर अपने उमड़ते भावों को कविता में उतारिए।**

   उत्तर: उदाहरण के लिए, आप सूरज की तेज़ी से झुलसती धरती या हरे-भरे जंगल में अचानक हवा चलने जैसी प्राकृतिक घटना देखकर अपने उमड़ते भावों को कविता में उतार सकते हैं।

www.onepointlearning.com

अट नहीं रही है

1. **छायावाद की एक खास विशेषता है अंतर्मन के भावों का बाहर की दुनिया से सामंजस्य बिठाना। कविता की किन पंक्तियों को पढ़कर यह धारणा पुष्ट होती है? लिखिए।**

   उत्तर: कविता की निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़कर यह धारणा पुष्ट होती है कि प्रस्तुत कविता में अंतर्मन के भावों का बाहर की दुनिया से सामंजस्य बिठाया गया है:

   आभा फागुन की तन

   सट नहीं रही है।

   और

   कहीं साँस लेते हो,

   घर-घर भर देते हो,

   उड़ने को नभ में तुम,

   पर-पर कर देते हो।

   ये पंक्तियाँ फागुन और मानव मन दोनों के लिए प्रयुक्त हुई हैं।

2. **कवि की आँख फागुन की सुंदरता से क्यों नहीं हट रही है?**

   उत्तर: क्योंकि फागुन में हर जगह जीवन, रंग, खुशबू और उल्लास दिखाई दे रहे हैं।

3. **प्रस्तुत कविता में कवि ने प्रकृति की व्यापकता का वर्णन किन रूपों में किया है?**

   उत्तर: कवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' ने कविता 'अट नहीं रही है' में फागुन के सौंदर्य और मादक प्रभाव को हर जगह फैलते हुए दर्शाया है। फूलों की शोभा घर-घर में फैली है और यह मन में खुशी और उमंग जगाती है। पक्षियों की उड़ान और मन की तरंगों के माध्यम से सौंदर्य के व्यापक प्रभाव को दिखाया गया है।

4. **फागुन में ऐसा क्या होता है जो बाकी ऋतुओं से भिन्न होता है?**

   उत्तर: यह सर्वत्र जीवन और उल्लास फैलाती है, मन को प्रसन्न करती है और पूरे वातावरण में आनंद भर देती है।

5. **इन कविताओं के आधार पर निराला के काव्य-शिल्प की विशेषताएँ लिखिए।**

   उत्तर: निराला के काव्य-शिल्प की विशेषताएँ:

   - व्यापक दृष्टि और सामाजिक चेतना।
   - विद्रोही और क्रांतिकारी भाव।
   - मुक्त छंद का प्रयोग।
   - ललित और कलात्मक भाषा, नाद-सौंदर्य का प्रयोग।
   - प्राकृतिक सौंदर्य और अंतर्मन का सामंजस्य।
   - शोषित और पीड़ित जन के प्रति सहानुभूति।

www.onepointlearning.com

रचना और अभिव्यक्ति

6. होली के आसपास प्रकृति में जो परिवर्तन दिखाई देते हैं, उन्हें लिखिए।

उत्तर: होली के आसपास प्रकृति में दिखाई देने वाले परिवर्तन:

- पेड़ों और फूलों में रंगीन हरियाली।
- वातावरण में खुशबू और पुष्प-माल की सजावट।
- उल्लास और आनंद का संचार।
- पक्षियों और जल-स्रोतों में जीवन का जागरण।

www.onepointlearning.com